महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

◉ वर्ष-2 ◉ अंक-11 ◉ अगस्त, 2024

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in
NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in
NCC Email-ncc@mgug.ac.in
University Website-http://www.mgug.ac.in/

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई

कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव

कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. आयुष कुमार पाठक
2	UP-80/002/24/101	अष्टावक्र इकाई	श्री साध्वीनन्दन पाण्डेय
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	श्री अभिषेक कुमार सिंह
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	कु. अभिनव सिंह राठोर
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसुईया इकाई	सुश्री सुमन यादव
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता साहनी
8	UP-80/008/24/701	मैत्रेयी इकाई	

राष्ट्रीय कैडेट कोर

101 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

'सेवा पथ'

'सेवा पथ' एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** एवं **'राष्ट्रीय कैडट कोर'** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **'सेवा पथ'** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पात्रिक के **'चतुर्थ संस्करण'** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **'सेवा पथ'** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **'सेवा पथ'** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **'सेवा पथ'** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस. एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

कार्ययोजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्रर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य, परिवार, कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम, टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन करना।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती है, किन्तु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

एनसीसी भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य अकादमिक

प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किये, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ कधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत.पाक युद्धों के पश्चात एनसीसी के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 3.5 प्रतिशत ही है। एनसीसी की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एनसीसी को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना एनसीसी में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले युवाओं के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में एनसीसी के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया। जो निम्नवत है–

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि सशस्त्र बलों के साथ.साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए एनसीसी के लक्ष्य इस प्रकार है (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(iv)सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के से तैयार करना।

एनसीसी का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो
2. समयनिष्ठ रहो
3. निःसंकोच कठिन परिश्रम करो
4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

एनसीसी के वर्तमान लक्ष्य :

1. देश के युवाओं के चरित्र, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण, साहसिक अभियान में रूचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।
2. संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : ''मैं सत्यनिष्ठा से लेता/लेती हूँ कि पूरी सच्चाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की सेवा करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन करूगाँ/करूँगी। इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परेड और कैम्प में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।''

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट बड़े सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे। हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। हम अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा करेंगे।

काकोरी ट्रेन एक्शन डे : कार्यक्रम

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

काकोरी ट्रेन एक्शन डे पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

दिनांक : 09 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में 'काकोरी दिवस' पर आयुर्वेद कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के अष्टावक्र इकाई द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सहायक आचार्य डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि काकोरी काण्ड एक वैचारिक क्रांति है। जिससे स्वतंत्रता आंदोलन के चिंगारी को धधकती लौ की आंच मिली थी। आज ही के दिन 9 अगस्त 1925 को वीर युवा क्रांतिकारियों ने काकोरी की घटना को अंजाम देकर ब्रिटिश सरकार की नींव हिला दिया था। काकोरी कांड लूट या डकैती नहीं एक वैचारिक क्रांति है यह दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उस महत्वपूर्ण अध्याय को समर्पित है, जब 9 अगस्त 1925 को हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के बहादुर क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ साहसिक कदम उठाते हुए काकोरी के पास ट्रेन डकैती को अंजाम दिया था। इस घटना ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में क्रांतिकारी विचारधारा को एक नया मोड़ दिया।

काकोरी कांड के प्रमुख नायक, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद और असंख्य युवाओं ने शामिल होकर ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती देते हुए अपने प्राणों की आहुति दिया। यह घटना केवल ब्रिटिश खजाने को लूटने के उद्देश्य से नहीं बल्कि स्वतंत्रता के लिए धन जुटाने और युवाओं में देशभक्ति का जज्बा भरने के लिए अंजाम दिया। इस घटना ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी और स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी आंदोलन को और अधिक मजबूती प्रदान की।

काकोरी कांड के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा किए गए कठोर कदमों और उन पर चले मुकदमों ने पूरे देश में आक्रोश पैदा किया। राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को फांसी की सजा दी गई, जबकि अन्य क्रांतिकारियों को लंबी सजा सुनाई गई।

काकोरी कांड दिवस हमें उन वीरों की याद दिलाता है जिन्होंने हमारे देश की आज़ादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए हमें हमेशा साहस और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

आज के दिन, हम सभी उन महान क्रांतिकारियों को नमन करते हैं जिन्होंने अपने अदम्य साहस और बलिदान से देश को स्वतंत्रता के पथ पर अग्रसर किया। काकोरी कांड दिवस उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत है जो स्वतंत्रता, न्याय, और समानता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल जी को गोरखपुर के जेल में फांसी देने के बाद उनके पार्थिव शरीर को चौगान टावर (घंटाघर) के चौराहे पर दर्शन के लिए रखा गया। जिनकी याद में घंटाघर का चौगान टावर आज भी क्रांतिकारियों को समर्पित है। काकोरी काण्ड की अभंग गाथा आने वाले पीढ़ियो के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के आर्यभट्ट इकाई, परिजात इकाई, माता सबरी इकाई के स्वयं सेवक उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्र रामगोपाल तिवारी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक साध्वी नन्दन पाण्डेय ने मुख्य वक्ता और कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षक और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आयुर्वेद प्राचार्य (कार्यवाहक) डॉ. नवीन के., डॉ. मिनी, डॉ. शांति भूषण, डॉ. गिरिधर, डॉ. विन्रम शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. आयुष कुमार पाठक, अभिषेक सिंह, सहित सभी विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहें।

काकोरी ट्रेन एक्शन डे : कार्यक्रम

फार्मास्युटिकल संकाय : माता सबरी इकाई

काकोरी ट्रेन एक्शन डे पर आयोजित प्रतियोगिता में भाषण प्रस्तुत करता विद्यार्थी

दिनांक : 09 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विभाग के राष्ट्रीय सेवा योजना की माता सबरी इकाई के द्वारा आयोजित 100वीं काकोरी कांड की वर्षगांठ पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में फार्मेसी संकाय द्वितीय वर्ष के छात्र निलेश यादव, आशीष दुबे, विवेक मिश्रा ने काकोरी कांड के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त 1925 को अशफाक उल्ला खां, राम प्रसाद बिस्मिल और उनके साथी क्रांतिकारियों द्वारा ब्रिटिश सरकार के खिलाफ की गई काकोरी ट्रेन एक्शन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक निर्णायक पल था। यह घटना न केवल ब्रिटिश सरकार को चुनौती देने का प्रतीक बनी बल्कि भारतीय युवाओं में स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा भी बनी।

कार्यक्रम के दौरान फार्मसी संकाय के छात्रों द्वारा वाद विवाद एवं भाषण प्रस्तुत किया। जिसमें शहीदों के बलिदान और देशभक्ति की भावना को चित्रित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और उन्हें स्वतंत्रता संग्राम की कठिनाइयों और क्रांतिकारियों की वीरता से परिचित कराया।

फार्मेसी के शिक्षक श्री गौरीश नारायण जी ने काकोरी कांड के ऐतिहासिक महत्व और उसकी प्रेरणा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, 'काकोरी ट्रेन एक्शन हमें यह सिखाता है कि अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए हमें किसी भी कठिनाई से पीछे नहीं हटना चाहिए। इस घटना से हमें यह भी सीखने को मिलता है कि देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी क्या है और हम किस प्रकार उसमें अपना योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ साथ ही सभी ने काकोरी कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस आयोजन ने छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए एक प्रेरणादायक माहौल का निर्माण किया और उन्हें स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों को समझने और उन्हें अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का आयोजन अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह द्वारा किया गया। जिसमें फार्मास्युटिकल विभाग के गौरीश नारायण सिंह, जुही तिवारी एवं प्रवीन कुमार सिंह शिक्षकों एवं मंजीत यादव निखिल प्रकाश पांडे और रुद्रांश प्रताप ने स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंस संकाय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

काकोरी ट्रेन एक्शन डे : कार्यक्रम

कृषि विभाग : पारिजात इकाई

काकोरी ट्रेन एक्शन डे पर डॉक्युमेंट्री देखते विद्यार्थी एवं सम्बोधित करता विद्यार्थी

दिनांक : 09 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के पारिजात इकाई द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन डे की 100वीं वर्षगाँठ का आयोजन किया गया। काकोरी ट्रेन एक्शन डे एक डॉक्युमेंट्री वीडियो के माध्यम से ट्रेन एक्शन और हमारे वीरों का शानदार प्रदर्शन दिखाया गया। पारिजात इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक ने बताया कि अंग्रेज़ी शासन को मुंहतोड़ जबाब देने के मंसूबे में जिस तरह का जज़्बा चंद्रशेखर आज़ाद, पंडित रामप्रसाद बिसमिल, ठाकुर रौशन सिंह, राजेंद्र लिहारी और अश्फ़ाकुल्लाह

ख़ान ने दिखाया वो हमारे गौरवशाली इतिहास को बताता है।

एनसीसी के डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने इस एक्शन को देश की एक वैचारिक क्रांति बताया और कहा कि हमें आज़ादी के मूल्यों को समझने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कृषि संकाय के उत्कर्ष सिंह, अरुराग कसौधन, आदित्य चौधरी, विवेकानंद यादव, आदित्य चौहान, अखिलेश चौरसिया, अनुभव सिंह, श्रद्धा सिंह, शुभम् मौर्य, प्रियांशी पांडेय व विकास यादव ने भाग लिया। जिसमें उत्कर्ष सिंह प्रथम और विकास यादव द्वितीय और हिमांशी पांडेय तृतीय स्थान पर रहें।

इस अवसर पर कृषि विभाग के डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. शाश्वती प्रेमकुमारी व कृषि संकाय के सभी छात्र व छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रियांश मौर्य ने किया।

नशा मुक्ति भारत अभियानः शपथ ग्रहण

राष्ट्रीय सेवा योजना

नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शपथ ग्रहण करते प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

दिनांक : 12 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण नशा मुक्ति जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा में विश्वविद्यालय के नशा मुक्ति नोडल अधिकारी, श्री दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को स्वयं को नशा नहीं करने एवं समाज को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। देश की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए हम आज नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त कराएँगे क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए।

इसलिए आइए हम सब मिलकर अपने जिले गोरखपुर उत्तरप्रदेश को नशामुक्त कराने का दृढ निश्चय करें। मैं प्रतिज्ञा

करता हूँ कि अपने देश को नशामुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर सम्भव प्रयास करूँगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री वशिष्ठ नारायण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर उपस्थित रहें, उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य हैं, इसलिए इन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए आजकल नशा समाज के उत्थान ने एक अवरोध की तरह कार्य कर रहा है हम सभी को एक जुट होकर इससे मुक्ति पाना होगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, सम्बद्ध स्वस्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के. फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, सभी संकाय के शिक्षक, विधार्थी उपस्थित रहें और समाज में इस अभियान को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित एक भव्य तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग करते स्वयंसेवक

दिनांक : 14 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात ईकाई (कृषि संकाय) एवं माता सबरी ईकाई (फार्मेसी संकाय) द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गय। तिरंगा यात्रा आयुर्वेद कॉलेज के सामने से प्रारम्भ होकर नर्सिंग कॉलेज होते हुए प्रशासनिक भवन के रास्ते पंचकर्म बिल्डिंग के सामने सम्पन्न हुई, जहां सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ भारत माता के जय–घोष के साथ राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा, 'तिरंगा यात्रा' का उद्देश्य हमारे छात्रों में देशभक्ति की भावना को जागृत करना और स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए बलिदानों को याद करना है।

यात्रा समापन पर तिरंगे की महत्ता पर प्रकाश हुए डॉ. आयुष कुमार पाठक ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने छात्रों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। यात्रा का सफल आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक और डॉ. अभिषेक कुमार सिंह के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर डॉ. कुलदीप सिंह, दिलीप मिश्रा, प्रवीण सिंह, गौरीश नारायण सिंह, जूही तिवारी, श्रेया मद्देशिया, डॉ. संदीप श्रीवास्तव और दोनों इकाइयों के सभी स्वयंसेवक व एनसीसी के कैडेडेट मौजूद रहें।

विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. सुनील कुमार सिंह

दिनांक : 14 अगस्त, 2024 को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवकों भारत के विभाजन विभिषिका स्मृति में एकता, प्रेम और सद्भाव का संकल्प लिया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि 14 अगस्त भारत विभाजन भारतीय उपमहाद्वीप की ऐतिहासिक घटना है जो विश्व इतिहास काला अध्याय के रूप में अंकित है। इस घटना ने परिवार के विभाजन की घटना को ताजा कर दिया है, ब्रिटिश हुकूमत से अभी कुछ घंटे हमने आजादी की सुबह देखा था की राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं ने भारत के नक्शे पर लाइन खींच कर पाकिस्तान बना दिया। जिससे विभाजन की काली रात में बेगुनाहों के लहू से भारत को दो हिस्सों में बाट दिया गया। इस घटना से सीख लेना चाहिए कि अपने परिवार, समाज और देश के प्रति निष्ठा और कर्तव्य लक्ष्य बनाए रखें।

विशिष्ठ वक्ता डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारत विभाजन के भयावह स्मृति पर हमें गलतियों से सीख कर भविष्य की ओर अग्रसित होना है। इस स्मृति पर इतिहास को याद करना नही है बल्कि उन लाखों लोगों के बलिदान और पीड़ा को सम्मानित करना है जिन्होंने विभाजन की त्रासदी को झेला है। विभाजन ने भारतीय उपमहाद्वीप के राजनीतिक और सामाजिक ताने बाने को बदल दिया। विभाजन के समय लाखों लोग शरणार्थी हुए। जिन्होंने अपनी पुरानी यादों, परंपराओं और रीति–रिवाजों को छोड़कर नए समाज देश को स्वीकार किया। विभाजन की इस त्रासदी में 15 मिलियन लोग अपनें घरों से विस्थापित हुए थे । विस्थापन ने समाज में एक गहरी दरार डाल दी जो पीढ़ियों तक महसूस किया जायेगा।

बीएससी बॉयो टेक्नोलॉजी के पंचम सेमेस्टर के छात्र शिवम् पाण्डेय ने व्याख्यान में कहा आज का दिन वैश्विक इतिहास में काले दिन के रूप में याद किया जाएगा। विभाजन त्रासदी में एक ऐसा लकीर खींचा गया जिसने गंगा इधर और सिंधु को पाकिस्तान से जोड़ दिया। भारत के राष्ट्र गान का सिंधु आज त्रासदी में खो गया, विभाजन में लाखों लोग के लहू से गंगा और सिंधु में पानी लहू से भर गया था। कार्तिकेय श्रीवास्तव और दिव्या ने विभाजन की त्रासदी पर अपने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी श्री धनंजय पांडेय ने कहा कि विभाजन की त्रासदी में बहुत कुछ खोने के बाद भी आज भारत ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान बढ़ाया है। त्रासदी के स्मृति से सीख लेकर हमे भविष्य का नव निर्माण करना है।

व्याख्यान में प्रमुख रूप से डॉ. अमित दुबे, डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. अवैध नाथ सिंह, डॉ. धीरेंद्र सिंह अनिल मिश्रा सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर

ध्वजारोहण के दौरान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई एवं प्रस्तुत देते विद्यार्थी

दिनांक : 15 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने ध्वजारोहण कर उद्बोधन में कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस महापर्व पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता, गौरव एवं संविधान में निहित आदर्शों व मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में हम सभी को अपना योगदान देना है। भारत को पुनः विश्वगुरु एवं विश्वशक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास करना है। युवा शक्ति शिक्षित होगी तो राष्ट्र उन्नति के पथ पर अग्रसित होगा।

पंचकर्मा भवन पर कुलपति जी ने ध्वजारोहण कर सलामी दिया।

नर्सिंग कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुति की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्र सेवा के लिए आह्वाहन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में फार्मेसी कॉलेज के छात्रों ने बैटल ऑफ झांसी को मंच पर प्रस्तुत कर सभी की देश भाव से भर दिया। पैरामेडिकल के छात्रों ने देशभक्ति गीत फिर भी दिल है हिंदुस्तानी नृत्य, आयुर्वेद कॉलेज द्वारा तेरी मिट्टी में मिल जावा की प्रस्तुति और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय ने 'ए मेरे वतन के लोगों' गीत से सभी को देश प्रेम के रंग में रंग दिया वहीं एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति नृत्य नाटिका से देश के वीर सपूतों को नमन किया। पूरा परिसर भारत माता के उदघोष से गुंजीत होता रहा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से फार्मेशी विभाग के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने स्वागत उद्बोधन, आयुर्वेद प्राचार्य डॉ. नवीनण् के., पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि विभाग के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने स्वतंत्रता दिवस पर संबोधित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन छात्रा निधि वर्मा और नीलिमा ने किया, आभार ज्ञापन नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा जी ने किया।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में कैडेट्स ने मार्च पास करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दिया। परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। परेड में अंडर ऑफिसर मोतीलाल, अंशिका सिंह, आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक चौरसिया, अनुभव, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, अश्मित सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, दरख्शा बानो, खुशी गुप्ता, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, निकिता गौड़, साक्षी प्रजापति, चांदनी निषाद, खुशी यादव, हरयश्व कुमार साहनी ने ध्वज को सलामी दिया।

समारोह में प्रमुख रूप से उप कुलसचिव श्री श्रीकांत, डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. अमित दुबे, धनंजय पाण्डेय, साध्विनंदन पांडेय, डॉ. सुमित, डॉ. आयुष पाठक सहित समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी कैडेट, छात्र भारी संख्या में सम्मिलित हुए।

पारिजात इकाई (कृषि संकाय)

प्रथम एक दिवसीय विशेष शिविर : राष्ट्रीय सेवा योजना

ग्राम सभा सिक्टौर में पारिजात इकाई ने प्रथम एक दिवसीय विशेष शिविर में ग्रामवासियों को साइबर सुरक्षा, फाइलेरिया उन्मूलन की जानकारी देते स्वयंसेवक

दिनांक : 25 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के कृषि संकाय में संचालित पारिजात इकाई ने ग्राम सभा सिक्टौर में प्रथम एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया।

जिसमें स्वयसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को साइबर सुरक्षा, फाइलेरिया उन्मूलन, खरीफ़ फसल की तकनीकी जानकारी, स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके साथ स्वयसेवकों को गांव की भौतिकीय परिदृश्य का आकलन, गांव के समस्या की पहचान कर उसके निराकरण में सहयोग प्रदान करने के साथ ही समाज के साथ समन्वय स्थापित करने की कला को सिखाया गया।

शिविर का उद्घाटन में मुख्य अतिथि ग्राम सभा सिक्टौर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री राकेश सिंह जी के द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के इस स्वयसेवकों का सहयोग लेकर गाँव का शत–प्रतिशत विकास करने में हमें सहायता प्राप्त होगी स्वयंसेवक प्रशिक्षित है उनको अपने विषय की जानकारी है इससे प्रतीत हो रहा है विश्वविद्यालय एक सकारात्मक प्रगति की तरफ अग्रसर है उन्होंने स्वयंसेवकों को गांव के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक द्वारा शिविर का संयोजन किया गया। जिसमें सवर्प्रथम स्वयसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य परिकल्पना से अवगत करते हुए बताया कि एनएसएस का आदर्श वाक्य 'नॉट मी बट यू', लोकतांत्रिक जीवन के सार को दर्शाता है और निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता को पुष्ट करता है। स्वयंसेवक का मतलब यह नहीं की केवल अपने लिए ही न जिए समाज के लिए जिये इस शिविर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए समस्त इकाई के स्वयंसेवक को 20 की संख्या में पांच टोली में बांटकर एक जागरूकता कार्यक्रम का विषय एक टोली को दिया गया था, प्रत्येक टोली के एक नेता चुना गया जो क्रमशः आलोक जायसवाल,उत्कर्ष सिंह, अमित राय, शुभम मौर्य संजना गुप्ता बनाया गया। शिविर का निरीक्षण समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार दुबे द्वारा किया एवं उन्हों ने स्वयंसेवको का उत्साहवर्द्धन किया। गांव के लोगों में शिविर के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को साइबर सुरक्षा पर जागरूक करते हुए लोगों साइबर अपराध से बचने व स्वच्छता के प्रति जागरूक कर उससे बचने का उपाय बताया साथ ही गांव की अनेकों समस्याओं को जाना और उसके निवारण हेतु प्रयास करने का भरोसा दिलाया। विशेष शिविर अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे एवं कार्यकम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में स्वयंसेवक अनिकेत मल्ल, शीलू कशौधन, विनायक मिश्रा, अखिलेश चौरसिया, नेहा सिंह, श्रेया पाण्डेय, ममता गुप्ता, आभा शर्मा इत्यादि पारिजात इकाई के सभी स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग कर अपना योगदान दिया।

ग्राम सभा सिक्टौर में पारिजात इकाई ने प्रथम एक दिवसीय विशेष शिविर में ग्रामवासियों को साइबर सुरक्षा, फाइलेरिया उन्मूलन की जानकारी देते स्वयंसेवक

ग्राम सभा सिक्टौर में पारिजात इकाई ने प्रथम एक दिवसीय विशेष शिविर में ग्रामवासियों को साइबर सुरक्षा, फाइलेरिया उन्मूलन की जानकारी देते स्वयंसेवक

स्वैच्छिक श्रमदान

दिनांक : 31 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के पारिजात इकाई (कृषि संकाय) के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक श्रमदान किया गया। स्वयंसेवकों ने परिसर में साफ–सफाई अभियान चलाया एवं आयुर्वेद कालेज, पंचकर्म केंद्र व महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय के समक्ष स्थित लॉन में गेंदे के फूल की विभिन्न प्रजातियों का पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक ने बताया गेंदे का फूल ज्यादातर पूजा पाठ में और घर की सजावट में किया जाता है, गेंदें का फूल औषधीय गुणों से भी भरपूर होता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के कुशल नेतृत्व तथा कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे के दिशा–निर्देश में संपन्न हुआ। इस दौरान पारिजात इकाई के बादल पटेल, हर्यश्व साहनी, पंजाब निषाद, शुभम् मौर्य, अनिकेत मल्ल, विमलेश चौरसिया, अमित राय, उत्कर्ष सिंह, आशुतोष राय व पारिजात इकाई के अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

एनसीसी कैडेट्स भर्ती चयन प्रक्रिया

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एनसीसी कैडेट्स के प्री–स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनांक : 06 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स के प्री–स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़, शारीरिक नाप एवं वजन में 227 विद्यार्थी सम्मलित हुए।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की एनसीसी नामांकन के प्रथम प्री–स्क्रीनिंग मे 227 विद्यार्थियों ने प्रथम चरण चयन प्रक्रिया को पूरा किया। राष्ट्रीय कैडेट कोर से प्रशिक्षित होकर सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला।

विविध संकायों के छात्र–छात्राओं की लंबाई, वजन और दौड़ करवाकर बटालियन स्तर पर चयन हेतु प्री–स्क्रीनिंग किया गया। बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में करवाया गया।

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है।

प्री–स्क्रीनिंग में एनसीसी बटालियन के निर्देशों का पालन करते हुए सुव्यवस्थित तरीके से उम्मीदवारों के शारीरिक नाप, वजन और दौड़ का मूल्यांकन किया गया। एनसीसी युवाओं को जीवन में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने में मदद करता है।

एनसीसी में कैडेट्स को विभिन्न प्रकार की चुनौतियों और अवसरों का सामना करने का अवसर मिलता है, जो उन्हें भविष्य में सफल और जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक होता है।

चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, सामयिकी और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे हैं। शारीरिक फिटनेस और लिखित परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को साक्षात्कार में मानसिकता, नेतृत्व कौशल और एनसीसी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का मूल्यांकन होगा। एनसीसी में चयनित होने के बाद, कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादों द्वारा कराया जाता हैं।

प्री–स्क्रीनिंग में बापू पी.जी. कॉलेज सहायक आचार्य डॉ. करुणेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एनसीसी का अनुभव न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है, बल्कि यह विभिन्न करियर अवसरों के द्वार भी खोलता है। एनसीसी 'सी' प्रमाण–पत्र धारक कैडेट्स को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में भर्ती के दौरान विशेष प्राथमिकता दी जाती है।

इसके अलावा, विभिन्न सरकारी और निजी क्षेत्रों में भी एनसीसी कैडेट्स को उनकी नेतृत्व कौशल के आधार पर रोजगार का अवसर मिलता है।

शारीरिक नाप में प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी श्री राम यादव ने अपने टीम के साथ सहयोग किया। प्री–स्क्रीनिंग में प्रमुख रूप से सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, अंडर आफिसर मोती लाल, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, अमित कुमार चौधरी, आशुतोष मणि त्रिपाठी, हरश्व साहनी, कृष्णा त्रिपाठी, सागर यादव, अमृता कनौजिया, दरख्शा बानो, पूजा सिंह, प्रीति शर्मा, श्रद्धा उपाध्याय, शालिनी चौहान, आदर्श मौर्य सहित सभी कैडेट्स उपस्थित रहें।

काकोरी ट्रेन एक्शन डे : श्रद्धांजलि

काकोरी ट्रेन एक्शन डे पर जयघोष अर्पित करते केडेट्स

दिनांक : 09 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यू.पी. बटालियन के राष्ट्रीय कैडट कोर के कैडेट्स ने काकोरी दिवस पर वन्देमातरम के जयघोष से काकोरी के योद्धाओं को नमन किया।

परेड ग्राउंड पर एकत्र राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में जयघोष कर क्रांतिकारी योद्धाओं को नमन किया। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा की काकोरी ट्रेन एक्शन डे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है जिसनें भारतीय युवाओं में देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित किया और क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा दी। राम प्रसाद बिस्मिल और उनके साथियों के साहस और बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को एक नई ऊंचाई पर पहुँचाया। काकोरी ट्रेन एक्शन डे के महत्व और प्रभाव को कभी नहीं भुलाया जा सकता। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई और इससे भारतीय युवाओं को यह सिखने को मिला कि स्वतंत्रता केवल अहिंसात्मक आंदोलन से नहीं, बल्कि सशस्त्र संघर्ष से भी प्राप्त की जा सकती है। इस घटना ने भारतीय जनता में जागरूकता और समर्थन बढ़ाया और उन्हें स्वतंत्रता संग्राम के लिए संगठित किया। काकोरी काण्ड की अभांग गाथा हमें यह याद दिलाती है कि हमारे पूर्वजों ने किस प्रकार की कठिनाइयों और बलिदानों का सामना किया। उनकी वीरता और बलिदान हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे और हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न हिस्सा बने रहेंगे।

आयोजन में प्रमुख रूप से कैडेट अनुभव, खुशी गुप्ता, मोतीलाल, शिवम् सिंह, आचल पाठक, साक्षी प्रजापति, निकिता गौड, दरकशा बानो, खुशी यादव, श्रद्धा उपाध्याय, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, आशुतोष सिंह आदि ने जयघोष कर क्रांतिकारियों को नमन किया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एनसीसी यूनिट्स निरीक्षण

राष्ट्रीय कैडेट कोर

माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई से भेंट के दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, डॉ. संदीप श्रीवास्तव एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए एनसीसी के अधिकारीगण

दिनांक : 21 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने एनसीसी यूनिट्स का निरीक्षण कर कैडेट्स को रक्षा क्षेत्र में भविष्य के प्रति प्रोत्साहित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई जी से कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी ने एनसीसी के गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए वार्ता किया।

कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई ने कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट में कैडेट्स एकता और अनुशासन से सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कैडेट्स राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी सम्मिलित होकर बटालियन और विश्वविद्यालय का नाम प्रतिष्ठित कर रहे है। भविष्य में विश्वविद्यालय बटालियन के साथ सामंजस्य स्थापित कर कैड्टों को सैन्य सेवा के लिए प्रोत्साहित करेगा।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने विश्वविद्यालय में एनसीसी की गतिविधियों की प्रगति आख्या को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की 102 यू.पी. बटालियन महनिदेशालय के दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए सभी कंपनियों में सबसे बृहद कंपनी के रूप में कार्य कर रही है। बार्डर एरिया पर 102 यू. पी. बटालियन अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। जिसमें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी यूनिट्स अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सहयोग दे रही है।

बटालियन स्तर पर विश्वविद्यालय में राष्ट्र हित में सैन्य गतिविधियों की ट्रेनिंग कोर्स, रक्षा के क्षेत्र में व्याख्यान, और विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से कैडेट्स को सक्रिय बनाने का प्रयास किया जायेगा। कैडेट्स को संबोधित करते हुए कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की कैडेट्स अपना–अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं सैन्य सेवा के संकल्प के साथ परिवार समाज और राष्ट्र की जुड़ना होगा। एनसीसी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आधुनिक तकनीक और उपकरणों का समावेश आवश्यक हो रहा है। डिजिटल सिमुलेशन, वर्चुअल रियलिटी और अन्य तकनीकी उपकरणों के माध्यम से कैडेट्स को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। जिससे न केवल उनकी कौशल क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि वे बेहतर तरीके से राष्ट्र सेवा के लिए तैयार हो सकेंगे।

अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को वैश्विक दृष्टिकोण और अनुभव प्रदान करता है। एनसीसी विश्वविद्यालय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए बटालियन कृत संकल्पित है। भविष्य में बटालियन विश्वविद्यालय के साथ एक सेतु के रूप में कैडेटों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देगा।

विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की एनसीसी अधिकारियों के विश्वविद्यालय के प्रति आशान्वित दृष्टि कैडेट्स के विकास पथ के द्वार को सुगम बनाएगा। बटालियन स्तर पर जो भी निर्देश कैडेटों के प्रोत्साहन के लिए होगा उसे पूर्ण करने के प्रति विश्वविद्यालय संकल्पित है।

कैडेट्स ने आधिकारिक दल को सैल्यूट करके सम्मान व्यक्त किया। जिसमें प्रमुख रूप से अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, अनुभव, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, अश्मित सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, प्रियेश उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

प्रजेंटेशन प्रस्तुत करती कैडेट आंचल पाठक

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांक : 23 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के विषय जय विज्ञान जय अनुसंधान पर व्याख्यान और पीपीटी प्रस्तुति से चंद्रयान यात्रा को साझा किया गया। मुख्य वक्ता एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की चंद्रयान 3 का चंद्रमा पर सफल प्रक्षेपण भारत के गौरव यात्रा का सौभाग्य प्रदर्शित करता है।

पंचकर्म हाल में आयोजित व्याख्यान में कैडेट्स और विद्यार्थियों को स्पेस दिवस की बधाई देते हुए डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्रमा पर चंद्रयान के सफल प्रक्षेपण पर विश्व में भारत चौथा राष्ट्र बना जिससे आज विश्व में तकनीकी रूप से अपनी विशिष्ठ पहचान स्थापित किया है।

इसके अलावा दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडिंग होने से भारत ने एक नया इतिहास रचा है। चंद्रयान–3 की सफलता भारतीय विज्ञान और अनुसंधान के गौरवशाली अभियान की स्वर्णिम यात्रा को दर्शाता है। चंद्रयान 3 में इसरो ने कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले उपग्रह, लॉन्च वाहन और

अंतरिक्ष मिशन को पूरा करके अपनी अंतराष्ट्रीय पहचान बनाया है।

'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' यह नारा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरा) के चंद्रयान–3 मिशन की सफलता के बाद और भी गूंजने लगा है। यह नारा विज्ञान और अनुसंधान की महत्ता को दर्शाता है और चंद्रयान–3 की सफलता भारतीय विज्ञान के इस अद्वितीय और गौरवशाली अभियान की कहानी कहता है।

कैडेट दरखशा बानो ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पीपीटी माध्यम से विषय को रेखांकित किया। कैडेट दरखशा बानो ने कहा चंद्रयान यात्रा भारत का गौरव है जिसने आज तकनीकी रूप से भारत को विविध क्षेत्रों में एक नई पहचान दिलाया है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस को इस वर्ष से शुभारंभ किया जा रहा है आज का दिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश के समृद्ध यात्रा की स्मृतियों को याद कर हमारे वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों की दृढ़ता और समर्पण को समर्पित करना है।

कैडेट आंचल पाठक ने पीपीटी प्रस्तुति में पहले सफल प्रक्षेपण से लेकर चंद्रयान–3 की यात्रा को दिखाया। कैडेट आंचल ने कहा की चंद्रयान की यात्रा भारतीय विज्ञान और अनुसंधान के लिए एक मील का पत्थर है। भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों के लिए हम सभी को वैज्ञानिक दृष्टि और तकनीक से स्वयं को मजबूत करना होगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान की यात्रा 1960 के दशक में शुरू हुई, जब डॉ. विक्रम साराभाई ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की नींव रखी। पहले साउंडिंग रॉकेट से लेकर मंगलयान और अब चंद्रयान–3 तक कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। चंद्रयान–1 से चंद्रयान–3 तक हमने लंबी यात्रा तय किया है हम कई बार गिर के संभले है तब जाकर सफलता के झंडे को देखा है।

कार्यक्रम में कैडेट अनुभव और आशुतोष सिंह ने चंद्रयान के गौरव यात्रा पर अपने विचार साझा किया। कार्यक्रम में पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने भारतीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाए दिया, कार्यक्रम का संचालन अंडर आफिसर अंशिका सिंह और आभार ज्ञापन सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल ने किया ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मोतीलाल, आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक चौरसिया, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, अश्मित सिंह, अंशिका सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, दरख्शा बानो, खुशी गुप्ता, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, निकिता गौड़, साक्षी प्रजापति, चांदनी निषाद, खुशी यादव, हरयश्व कुमार साहनी, आशुतोष मणि त्रिपाठी आदि उपस्थित रहें।

आयोजन में प्रमुख रूप से पैरामेडिकल विभाग के शिक्षक श्री संजीव विश्वकर्मा, ज्योति गुप्ता, निलेश यादव आईटी विभाग के राहुल श्रीवास्तव, आनंद मिश्रा जी का सहयोग रहा।

102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया में प्रतिभागियों की शारीरिक नाप एवं दक्षता लेते हुए अधिकारीगण

दिनांक : 24 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के जेसीओ सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण सींग के कुशल नेतृत्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विद्यार्थियों का शारीरिक दौड़, लंबाई, नाप तौल, सपाट, बीम और रक्षा विषय से संबंधित प्रश्नों की लिखित परीक्षा विविध चरणों में संपन्न हुआ।

जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने भर्ती चयन प्रक्रिया में कहा की एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। बटालियन से मिले भर्ती नियमावली से पूर्ण सतर्कता और नियमों का ध्यान रखते हुए विद्यार्थियों का चयन किया जा रहा है। शरीरिक, नाप जोख, लिखित परीक्षा और दस्तावेजों के आधार पर मेरिट लिस्ट जारी किया जाएगा। जिससे विद्यार्थियों का इनरोलमेंट नंबर जारी होने के बाद एनसीसी कैडेट्स सैन्य जीवन को शुरू कर सकेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की राष्ट्रीय कैडेट कोर से प्रशिक्षित होकर सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में अति उत्साहित है। विविध संकायों के छात्र–छात्राओं की लंबाई, वजन और दौड़ करवाकर बटालियन स्तर पर चयन हेतु फाइनल स्क्रीनिंग किया गया। बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ बटालियन के अधिकारियों के देखरेख में करवाया गया।

बटालियन के निर्देशों का पालन करते हुए सुव्यवस्थित तरीके से उम्मीदवारों के शारीरिक नाप, वजन और दौड़ का मूल्यांकन किया गया। एनसीसी युवाओं को जीवन में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने में मदद करता है। एनसीसी में कैडेट्स को विभिन्न प्रकार की चुनौतियों और अवसरों का सामना करने का अवसर मिलता है, जो उन्हें भविष्य में सफल और जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक होता है।

चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, सामयिकी और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

शारीरिक फिटनेस और लिखित परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को साक्षात्कार में मानसिकता, नेतृत्व कौशल, और एनसीसी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का मूल्यांकन होगा। एनसीसी में चयनित होने के बादए कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादों द्वारा कराया जाता हैं।

फाइनल स्क्रीनिंग में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए सूबेदार यदुल हक ने कहा कि एनसीसी का अनुभव न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है, बल्कि यह विभिन्न करियर अवसरों के द्वार भी खोलता है। एनसीसी 'सी' प्रमाण पत्र धारक कैडेट्स को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में भर्ती के दौरान विशेष प्राथमिकता दी जाती है। इसके अलावा, विभिन्न सरकारी और निजी क्षेत्रों में भी एनसीसी कैडेट्स को उनकी नेतृत्व कौशल के आधार पर रोजगार का अवसर मिलता है।

भर्ती प्रक्रिया के सकुशल संपन्न होने पर कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट मिथुन मिश्रा जी ने नव नामांकन विद्यार्थियों को शुभकामना दिया।

नव नामांकन भर्ती में सत्र 2023–24 के सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, अंडर आफिसर मोती लाल, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, हरश्व साहनी, कृष्णा त्रिपाठी, अमृता कनौजिया, दरख्शा बानो, श्रद्धा उपाध्याय, शालिनी चौहान, भानु प्रताप सिंह, निकिता गौंड, साक्षी प्रजापति, गौरी कुशवाहा, ऋतु मौर्या, अनुभव, आदित्य विश्वकर्मा, शिवम, प्रियेश राम त्रिपाठी सहित सभी कैडेट्स उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू.पी. बटालियन द्वारा दौड़ प्रतियोगिता एवं कबड्डी प्रतियोगिता

दिनांक : 26 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय खेल दिवस पर राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू.पी. बटालियन द्वारा दौड़ प्रतियोगिता से रन फॉर फिटनेस का संदेश दिया गया।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता में रन फॉर फिटनेस दौड़, टग ऑफ वॉर, ऊंची कूद, लंबी कूद और कबड्डी का आयोजन किया गया। जिसमें एनसीसी कैडेट्स के साथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी दौड़ लगाकर सभी में उत्साह का संचार किया।

डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय हॉकी के सबसे बड़े नायक मेजर ध्यानचंद का नाम पूरी दुनिया में हॉकी के जादूगर के नाम से मशहूर है। 29 अगस्त को भारत में हॉकी के इस महानायक के जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के तौर पर मनाया जाता है। भारत के स्वर्णिम हॉकी इतिहास के महानायक ने साल 1928, 1932 और 1936 ओलंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। तीनों ही ओलंपिक में भारत ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। अपने देश से प्यार करने वाले ध्यानचंद ने देशभक्ति की बड़ी मिसाल दी थी। साल 1936 में बर्लिन ओलंपिक के दौरान ध्यानचंद का जादू छाया रहा।

दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कैडेट अनुभव, द्वितीय अमित कुमार चौधरी, तृतीय स्थान मोतीलाल ने सभी को पछाड़ा । बालिका वर्ग दौड़ में कैडेट प्रथम साक्षी प्रजापति, द्वितीय संजना शर्मा, तृतीय आंचल पाठक विजेता रही। टग आफ वॉर (रस्सा कस्सी) प्रतियोगिता में अल्फा टीम के मोतीलाल, आंचल पाठक, पूजा सिंह, निकिता गौंड, आदित्य विश्वकर्मा, कृष्णा त्रिपाठी, सागर यादव, आदर्श मौर्या, संजना शर्मा और आशुतोष सिंह ने बीटा टीम को टग ऑफ वॉर में पराजित किया। कबड्डी प्रतियोगिता में अमित चौधरी, अनुभव, शिवम, भानु प्रताप सिंह, आदर्श, आशुतोष सिंह ने प्रतिद्वंदी टीम को धूल चटाया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास यादव, श्री धनंजय पांडेय, रवि यादव, अंडर ऑफिसर मोती लाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, लांस नायक पूजा सिंह, लांस नायक हरश्व साहनी, शालनी चौहान, अमृता कनौजिया, दरख्शा बानो, साक्षी प्रजापति, निकिता गौंड, आंचल पाठक, गौरी कुशवाहा, संजना शर्मा अस्मिता सिंह, चांदनी निषाद, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, अमित कुमार चौधरी, अनुभव, भानु प्रताप सिंह, प्रियेश राम त्रिपाठी, शिवम सिंह, कृष्ण त्रिपाठी, सागर यादव, आदित्य विश्वकर्मा, आदर्श मौर्या सहित सभी विभागों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा निकालते एनसीसी कैडेट्स

दिनांक : 15 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 78वें स्वतंत्रता दिवस पर एनसीसी कैडेट्स ने तिरंगा यात्रा निकाल कर राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई जी ने पंचकर्मा भवन ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दिया ।

ध्वजारोहण कर उद्बोधन में कुलपति जी ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस महापर्व पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता, गौरव एवं संविधान में निहित आदर्शों व मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में हम सभी को अपना योगदान देना है। युवा शक्ति शिक्षित होगी तो राष्ट्र उन्नति के पथ पर अग्रसित होगा। विद्यार्थियों को राष्ट्र सेवा के लिए आह्वाहन किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाला। तिरंगा यात्रा दल में सीनियर अंडर सागर जायसवाल ने दल को जयघोष करवाया। पूरा परिसर भारत माता के उदघोष से गुंजीत होता रहा।

तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से अंडर अफिसर मोतीलाल, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक, अनुभव, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमृता , संजना शर्मा, गौरी, अश्मित सिंह, आंचल, पूजा सिंह, दरख्शा बानो, खुशी गुप्ता, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, निकिता गौड़, साक्षी प्रजापति, चांदनी निषाद, खुशी यादव, हरयश्व कुमार साहनी सम्मिलित रहें।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

गार्ड ऑफ ऑनर

मुख्य अतिथि डॉ. डी. पी. सिंह जी को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए एनसीसी कैडेट्स

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांक : 28 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

विश्वविद्यालय में संचालित 102 यू. पी. बटालियन गोरखपुर की यूनिट्स अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सर्वश्रेष्ठ बनने की पथ पर अग्रसर है। रक्षा क्षेत्र में कैडेट्स के लिए अनंत संभावनाएं है। कैडेट्स को उच्च तकनीकी शिक्षा और ट्रेनिंग दिलाकर रोजगार के सृजन के लिए तैयार रखना चाहिए।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जी. एन. सिंह ने एनसीसी कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि अनुशासन की पाठ या छवि देखना हो तो पहले पंक्ति में एनसीसीसी कैडेट्स को देखें जो अनुशासन की आंच में थप कर, धूप छाव की परवाह किए बिना राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित है।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने कहा कि कई चुनौतियों का सामना करते हुए अल्पकाल में इन विश्वविद्यालय ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। ऊंचे संकल्प से आबद्ध इस विश्वविद्यालय ने अनुशासन और संस्कार, संस्कृति की पवित्रता के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

समारोह में एनसीसी कैडेट्स ने अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने गार्ड ऑफ ऑनर दल का मार्गदर्शन किया। सीनियर अंडर सागर जायसवाल के नेतृत्व में स्थापना दिवस पर अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पायलट कृष्णा त्रिपाठी, अमित चौधरी, अभिषेक चौरसिया, अनुभव, पूजा सिंह, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, आंचल पाठक ने अथिति प्रो. डी. पी. सिंह जी एवं अन्य अतिथियों को सम्मान के साथ पायलटिंग किया।

गार्ड ऑफ ऑनर में प्रमुख रूप से अंडर आफिसर मोतीलाल, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक, अनुभव, अमित, शिवम सिंह, भानु प्रताप, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमृता, संजना शर्मा, गौरी, अश्मित सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, दरख्शा बानो, खुशी गुप्ता, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, निकिता गौड़, साक्षी, चांदनी निषाद, खुशी यादव, हरयश्व कुमार सम्मिलित रहें।

द जर्नी ऑफ स्पेस अंतरिक्ष में एक विशाल छलांग

अंडर आफिसर अंशिका सिंह

'द जर्नी ऑफ स्पेस' (अंतरिक्ष की यात्रा) मानवता की सबसे उल्लेखनीय और प्रेरणादायक उपलब्धियों में से एक है। यह कहानी न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास की गाथा है, बल्कि मानव जिज्ञासा, हिम्मत और सपनों की एक मिसाल भी है। इस यात्रा ने हमें अपनी सीमाओं को पार करने के लिए प्रेरित किया है और यह दिखाया है कि अगर इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है।

प्राचीन काल से ही मनुष्य आकाश में चमकते तारोंए ग्रहों, और चंद्रमा की ओर आकर्षित रहा है। प्राचीन भारतीय, ग्रीक, और चीनी सभ्यताओं के ग्रंथों में अंतरिक्ष के बारे में विभिन्न कल्पनाएँ मिलती हैं। लेकिन वास्तविकता में अंतरिक्ष की यात्रा की संभावना का विचार 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में आया। जूल्स वर्न और एच. जी. वेल्स जैसे विज्ञान कथा लेखकों ने अंतरिक्ष यात्रा के विचार को अपने उपन्यासों में प्रस्तुत किया, जिससे इस क्षेत्र में सोच को नई दिशा दिया। अंतरिक्ष युग की शुरुआत 4 अक्टूबर 1957 को हुई जब सोवियत संघ ने स्पुतनिक 1 नामक दुनिया का पहला कृत्रिम उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा। इस उपग्रह ने पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश करके अंतरिक्ष अनुसंधान में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। स्पुतनिक की सफलता ने अमेरिका और सोवियत संघ के बीच अंतरिक्ष होड़ को जन्म दिया, जिसे 'स्पेस रेस' के नाम से जाना जाता है।

12 अप्रैल 1961 को, सोवियत संघ के यूरी गगारिन ने वोस्तोक 1 अंतरिक्ष यान के माध्यम से अंतरिक्ष की यात्रा की और पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाने वाले पहले मानव बने। यह मानव इतिहास का एक अभूतपूर्व क्षण था जिसने न केवल सोवियत संघ को गर्व का अनुभव कराया, बल्कि पूरी दुनिया को अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई दिशा दी। इसके बाद, अमेरिका ने अपने मर्करी और जेमिनी कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरिक्ष में मानव भेजने के लिए प्रयास तेज किए। अंतरिक्ष अन्वेषण की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक 20 जुलाई 1969 को हुई, जब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपोलो 11 मिशन के तहत नील आर्मस्ट्रांग और बज़ एल्ड्रिन को चंद्रमा पर उतारा। आर्मस्ट्रांग के चंद्रमा पर पहले कदम रखते हुए कहे गए शब्द 'यह एक मनुष्य का छोटा कदम है, लेकिन मानवता के लिए एक विशाल छलांग' आज भी अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रतीक के रूप में गूंजते हैं। अपोलो कार्यक्रम ने चंद्रमा पर कुल छह बार मानव को उतारा और यह अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है।

1970 और 1980 के दशक में, अंतरिक्ष अन्वेषण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नई तकनीकों का विकास हुआ। नासा ने 1981 में पहला अंतरिक्ष शटल, कोलंबिया, लॉन्च किया। अंतरिक्ष शटल ने अंतरिक्ष में उपकरण और उपग्रहों को भेजने, मरम्मत करने और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन, जिसे कई देशों के सहयोग से विकसित किया गया, मानवता की सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष परियोजनाओं में से एक है। यह अंतरिक्ष में अनुसंधान के लिए एक स्थायी मंच है और विभिन्न देशों के वैज्ञानिकों को एक साथ लाकर अंतरिक्ष अन्वेषण में सहयोग को बढ़ावा देता है। 21वीं सदी में, अंतरिक्ष अन्वेषण ने मंगल ग्रह की ओर अपने कदम बढ़ाए। नासा, इसरो, यूरोपियन स्पेस एजेंसी और चीन के मार्स मिशन ने मंगल की सतह और वातावरण का अध्ययन करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नासा के क्यूरियोसिटी और पर्सीवरेंस रोवर्स ने मंगल की सतह पर जीवन के संकेतों की खोज के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्र किए हैं। इसके अलावा, स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन जैसी निजी कंपनियों ने भी अंतरिक्ष अन्वेषण में नए युग की शुरुआत की है, जिसमें मंगल पर मानव बस्ती बसाने के प्रयास शामिल हैं।

हाल के वर्षों में, निजी कंपनियों ने अंतरिक्ष अन्वेषण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एलोन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फाल्कन रॉकेट और ड्रैगन कैप्सूल के माध्यम से न केवल अंतरिक्ष में कार्गो और मानव भेजने में सफलता प्राप्त की, बल्कि पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक को भी विकसित किया। इसने अंतरिक्ष में जाने की लागत को कम कर दिया है और अंतरिक्ष पर्यटन के द्वार खोल दिए हैं। रिचर्ड ब्रैनसन की वर्जिन गैलेक्टिक और जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन भी अंतरिक्ष पर्यटन में अग्रणी हैं, जिससे सामान्य नागरिकों के लिए अंतरिक्ष में जाने की संभावना बढ़ रही है। अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य में कई चुनौतियाँ और संभावनाएँ हैं। एक ओर, अंतरिक्ष में जीवन की संभावना और अन्य ग्रहों पर मानव बस्तियाँ बसाने के प्रयासों के साथ–साथ अंतरिक्ष के खतरों, जैसे कि अंतरिक्ष कचरा और क्षुद्रग्रहों से रक्षा, के मुद्दे भी महत्वपूर्ण हैं। दूसरी ओर, चंद्रमा पर स्थायी बेस स्थापित करने, मंगल पर मानव मिशन भेजने, और सौर मंडल के बाहर जीवन की खोज जैसे लक्ष्य भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित करेंगे। 'द जर्नी ऑफ स्पेस' मानवता की उस असीम क्षमता का प्रतीक है जो असंभव को संभव बनाने में सक्षम है।

यह यात्रा न केवल हमें ब्रह्मांड के रहस्यों की खोज के करीब लाई है, बल्कि यह भी दिखाया है कि जब मानवता एकजुट होकर काम करती है, तो कोई भी सीमा अवरोध नहीं बन सकती। आने वाले दशकों में, अंतरिक्ष अन्वेषण में और भी कई नए मील के सिखाया है कि हमारे सपनों की कोई सीमा नहीं है और अगर हम अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो आकाश भी पत्थर जुड़ेंगे, जो हमारे ब्रह्मांडीय भविष्य को नई दिशा देंगे। इस यात्रा ने यह हमारी सीमाओं में शामिल नहीं हो सकता।

प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन में 227 विद्यार्थियों ने दी शारीरिक परीक्षा

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़, शारीरिक नाप एवं वजन में 227 विद्यार्थी सम्मलित हुए। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। प्री स्क्रीनिंग में बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में कराया गया। चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, सामयिकी, और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एनसीसी में चयनित होने के बाद कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादो द्वारा कराया जाता हैं।

प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन में 227 विद्यार्थियों ने दी शारीरिक परीक्षा

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुरए 6 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़ए शारीरिक नाप एवं वजन में 227 विद्यार्थी सम्मलित हुए। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉण् संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। प्री स्क्रीनिंग में बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में कराया गया। चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञानए सामयिकीए और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एनसीसी में चयनित होने के बाद कैडेट्स को सैन्य ड्रिलए शारीरिक प्रशिक्षणए हथियार प्रशिक्षणए मैप रीडिंगए फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादो द्वारा कराया जाता हैं।

प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन में 227 विद्यार्थियों ने दी शारीरिक परीक्षा

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के एनसीसी कैडेट्स की प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़, शारीरिक नाप एवं वजन में 227 छात्र सम्मलित हुए। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेना में कैरियर बनाने के लिए छात्रों में उत्साह देखने को मिला। प्री स्क्रीनिंग में बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में कराया गया। चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, सामयिकी और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एनसीसी में चयनित होने के बाद कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादो द्वारा कराया जाता हैं।

प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन में विद्यार्थियों ने दी शारीरिक परीक्षा

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़, शारीरिक नाप एवं वजन में 227 विद्यार्थी सम्मलित हुए।

विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉण् संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। प्री स्क्रीनिंग में बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में कराया गया। चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञानए सामयिकी, और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एनसीसी में चयनित होने के बाद कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादो द्वारा कराया जाता हैं।

प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन में 227 विद्यार्थियों ने दी शारीरिक परीक्षा

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़, शारीरिक नाप एवं वजन में 227 विद्यार्थी सम्मलित हुए।

विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। प्री स्क्रीनिंग में बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में कराया गया। चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, सामयिकी, और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एनसीसी में चयनित होने के बाद कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादो द्वारा कराया जाता हैं।

एकजुट होकर पाना होगा नशे से मुक्ति : वशिष्ठ नारायण

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में लिया गया नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा न करने और नशा मुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय के नशा मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को को नशा नहीं करने एवं समाज को नशा मुक्त करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वशिष्ठ नारायण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि आजकल नशा समाज के उत्थान में एक अवरोध की तरह कार्य कर रहा है, हम सभी को एकजुट होकर इससे मुक्ति पाना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सम्बद्ध स्वस्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के., फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ.शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, सभी संकाय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'महायोगी गोरखनाथ विवि में लिया गया नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प'

'एकजुट होकर पाना होगा नशे से मुक्ति: वशिष्ठ नारायण सिंह'

संवाददाता

गोरखपुर, 12 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा न करने और नशा मुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय के नशा मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को को नशा नहीं करने एवं समाज को नशा मुक्त करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वशिष्ठ नारायण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि आजकल नशा समाज के उत्थान में एक अवरोध की तरह कार्य कर रहा है, हम सभी को एकजुट होकर इससे मुक्ति पाना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सम्बद्ध स्वस्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के., फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ.शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, सभी संकाय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पान्डेन्ट बाबत इत्तिला
(तारीख मुकर्रर समाअत अपील)

बअदालत न्यायालय अपर आयुक्त न्यायिक (द्वितीय) गोरखपुर मण्डल गोरखपुर

निगरानी सं0–C202405000000679

धर्मदेव कुमार यादवबनाम शिव कुमार वगैरह

बनाम–1.शिव कुमार 2.संतोष कुमार 3.संजय कुमार पुत्रगण स्व0 रामअवतार 4.हरिनरायन पुत्र स्व0 नन्दगोपाल 5.शम्भू कुमार भट्ट 6.शरद कुमार भट्ट पुत्रगण स्व0 रामसुधार 7. मनभावती देवी पत्नी स्व0 रामसुधार पता मौजा कलवारी तप्पा महसीन परगना उनवल तहसील खजनी जनपद गोरखपुर –प्रतिवादीगण

इत्तिला हो कि अपील घनाराजी डिगरी इस मुकदमे में मुसम्मी ने तारीख 16 महिना 08 सन् 2024 ई0 समाअत इस अपील की मुकर्रर की है।

अगर खुद या आपके वकील या और कोई शख्स कानूनन आपकी तरफ से अपीलार्थी हाजा सवाल जवाब करने की मजाज रखता होगा तो उसकी समाअत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एक तरफा की जायेगी।

ता0 पै0– 16–08–2024

आज तारीख 05 महिना 08 सन् 2024 ई0 मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

आज्ञा से
अपर आयुक्त न्यायिक (द्वितीय) गोरखपुर
मण्डल गोरखपुर

महायोगी गोरखनाथ विवि में लिया गया नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प

एकजुट होकर पाना होगा नशे से मुक्ति : वशिष्ठ नारायण सिंह

रवि प्रकाश गुप्ता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा न करने और नशा मुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय के नशा मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को को नशा नहीं करने एवं समाज को नशा मुक्त करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वशिष्ठ नारायण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि आजकल नशा समाज के उत्थान में एक अवरोध की तरह कार्य कर रहा है, हम सभी को एकजुट होकर इससे मुक्ति पाना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सम्बद्ध स्वस्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के., फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ.शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, सभी संकाय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयोजन | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

नशे से मुक्ति की अलख जगाने का लिया संकल्प

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा न करने और नशामुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय के नशा मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को नशा नहीं करने एवं समाज को नशामुक्त करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं। यह आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सम्बद्ध स्वस्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के., फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सभी संकाय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

युवा नशामुक्त होंगे, तो देश शक्तिशाली बनेगा : महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज की प्रार्थना सभा में नशामुक्त भारत अभियान के तहत प्रधानाचार्य डॉ. अरुण कुमार सिंह ने अध्यापकों और छात्रों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के योगदान से समाज और देश का विकास संभव है। इसलिए यह जरूरी है कि युवा समाज में नशामुक्ति के प्रयास करें। प्रधानाचार्य ने बताया कि भारत में युवाओं की संख्या अधिक है और जितने ज्यादा युवा नशामुक्त होंगे, देश उतना ही शक्तिशाली बनेगा। इस अवसर पर सभी अध्यापक और छात्र मौजूद थे।

छात्रों और शिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

गोरखपुर। महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में भारत सरकार के नशा मुक्त अभियान के तहत प्रधानाचार्य ओपी सिंह ने छात्रों और शिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। प्रधानाचार्य ने बच्चों और युवाओं में बढ़ती नशे की आदतों पर चिंता जताते हुए इसे रोकने की अपील की। शिक्षक विवेकानंद मिश्र, सूर्यकांत शर्मा, सत्य प्रकाश मिश्रा, सुशील त्रिपाठी और शिवेश श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

युवाओं को मानसिक, शारीरिक रूप से सशक्त बनने की सलाह

गोरखपुर। बाबू पुरुषोतम दास राधा रमण दास महाविद्यालय कूड़ाघाट और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर नशा एक अभिशाप विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। मुख्यवक्ता डॉ. देव चंद प्रज्ञा ने युवाओं के विकास और जीवन समस्याओं पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. विकास रंजन मणि त्रिपाठी ने युवाओं को मानसिक, शारीरिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनने की सलाह दी।

महायोगी गोरखनाथ विवि में लिया गया नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प

गोरखपुर, 12 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा न करने और नशा मुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

❖ एकजुट होकर पाना होगा नशे से मुक्ति -वशिष्ठ नारायण सिंह

विश्वविद्यालय के नशा मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को को नशा नहीं करने एवं समाज को नशा मुक्त करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वशिष्ठ नारायण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि आजकल नशा समाज के उत्थान में एक अवरोध की तरह कार्य कर रहा है, हम सभी को एकजुट होकर इससे मुक्ति पाना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सम्बद्ध स्वस्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के., फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ.शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, सभी संकाय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हर्षोल्लास के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 16 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्वतंत्रता दिवस हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने एनसीसी कैडेट्स के मार्चपास्ट के बीच विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म भवन पर ध्वजारोहण किया। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस महापर्व पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं संविधान में निहित आदर्शों व मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर हम सभी को देश व लोकतंत्र की प्रगति में अपना योगदान देना है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, पैरामेडिकल कॉलेज, आयुर्वेद कॉलेज, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों और एनसीसी कैडेट्स ने भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य, डॉ. शशिकांत सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नवीन के., पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ अखिलेश कुमार दूबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. अमित दूबे, धनंजय पांडेय, साध्वीनंदन पांडेय, डॉ. सुमित, डॉ. आयुष पाठक सहित समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण के बाद आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते एनसीसी के कैडेट्स। स्रोत - संस्था

संविधान के प्रति प्रतिबद्धता का दिन है स्वतंत्रता दिवस

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने एनसीसी कैडेट्स के मार्चपास्ट के बीच पंचकर्म भवन पर ध्वजारोहण किया। कुलपति ने कहा कि हम सभी को देश व लोकतंत्र की प्रगति में अपना योगदान देना है। उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य, डॉ. शशिकांत सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नवीन के., पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दूबे आदि रहे। संवाद

सैन्य सेवा के लिए एनसीसी कैडेट्स को आधुनिक तकनीक से सशक्त करेगा बटालियन : कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अभिषेक मान सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी कमांडिंग अफसिर ने एनसीसी गतिविधियों को सशक्त करने के लिए कुलपति से किया विचार विमर्श

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने एनसीसी यूनिट्स का निरीक्षण कर कैडेट्स को रक्षा क्षेत्र में भविष्य के प्रति प्रोत्साहित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई जी से कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी ने एनसीसी के गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए वार्ता किया।

कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई ने कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट में कैडेट्स एकता और अनुशासन से सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कैडेट्स राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी नी सम्मिलित होकर बटालियन और विश्वविद्यालय का नाम प्रतिष्ठित कर रहे हैं। भविष्य में विश्वविद्यालय बटालियन के साथ सामंजस्य स्थापित कर कैडेटों को सैन्य सेवा के लिए प्रोत्साहित करेगा। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने विश्वविद्यालय में एनसीसी की गतिविधियों की प्रगति आख्या को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की 102 यू पी बटालियन महानिदेशालय के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सभी कंपनियों में सबसे वृहद कंपनी के रूप में कार्य कर रही है। बार्डर एरिया पर 102 यू पी बटालियन अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। जिसमें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी यूनिट्स अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सहयोग दे रही है। बटालियन स्तर पर विश्वविद्यालय में राष्ट्र हित में सैन्य गतिविधियों की ट्रेनिंग कोर्स रक्षा के क्षेत्र में व्याख्यान, और विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से कैडेट्स को सक्रिय बनाने का प्रयास किया जायेगा। कैडेट्स को संबोधित करते हुए कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की कैडेट्स अपना अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं सैन्य सेवा के संकल्प के साथ परिवार समाज और राष्ट्र को जुड़ना होगा। एनसीसी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आधुनिक तकनीक और उपकरणों का समावेश आवश्यक हो रहा है। डिजिटल सिमुलेशन, वर्चुअल रियलिटी, और अन्य तकनीकी उपकरणों के माध्यम से कैडेट्स को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। जिससे न केवल उनकी कौशल क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि वे बेहतर तरीके से राष्ट्र सेवा के लिए तैयार हो सकेंगे। अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को वैश्विक दृष्टिकोण और अनुभव प्रदान करता है। एनसीसी विश्वविद्यालय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए बटालियन कृत संकल्पित है। भविष्य में बटालियन विश्वविद्यालय के साथ एक सेतु के रूप में कैडेटों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देगा। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की एनसीसी अधिकारियों के विश्वविद्यालय के प्रति आशान्वित दृष्टि कैडेट्स के विकास पथ के द्वार को सुगम बनाएगा। बटालियन स्तर पर जो भी निर्देश कैडेटों के प्रोत्साहन के लिए होगा उसे पूर्ण करने के प्रति विश्वविद्यालय संकल्पित है। कैडेट्स ने आधिकारिक दल को सैल्यूट करके सम्मान व्यक्त किया। जिसमें प्रमुख रूप से अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, अनुभव, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी,आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, अभिषेक सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, प्रियेशा उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स को आधुनिक तकनीक से सशक्त करेगा बटालियनः कर्नल अभिषेक

सैन्य सेवा के लिए एनसीसी कैडेट्स को आधुनिक तकनीक से सशक्त करेगा बटालियन : कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अभिषेक मान सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी कमांडिंग ऑफिसर ने एनसीसी गतिविधियों को सशक्त करने के लिए कुलपति से किया विचार विमर्श

सैन्य सेवा के लिए कैडेट्स को आधुनिक तकनीक से सशक्त करेगा बटालियन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने एनसीसी यूनिट्स का निरीक्षण कर कैडेट्स को रक्षा क्षेत्र में भविष्य के प्रति प्रोत्साहित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई जी से कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी ने एनसीसी के गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए वार्ता किया।

कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई ने कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट में कैडेट्स एकता और अनुशासन से सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कैडेट्स राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी भी सम्मिलित होकर बटालियन और विश्वविद्यालय का नाम प्रतिष्ठित कर रहे है। भविष्य में विश्वविद्यालय बटालियन के साथ सामंजस्य स्थापित कर कैडेटों को सैन्य सेवा के लिए प्रोत्साहित करेगा।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने विश्वविद्यालय में एनसीसी की गतिविधियों की प्रगति आख्या को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की 102 यू पी बटालियन महानिदेशालय के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सभी कंपनियों में सबसे वृहद कंपनी के रूप में कार्य कर रही है। बार्डर एरिया पर 102 यू पी बटालियन अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। जिसमे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी यूनिट्स अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सहयोग दे रही है।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की कैडेट्स अपना अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं सैन्य सेवा के संकल्प के साथ परिवार समाज और राष्ट्र को जुड़ना होगा। एनसीसी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आधुनिक तकनीक और उपकरणों का समावेश आवश्यक हो रहा है। डिजिटल सिमुलेशन, वर्चुअल रियलिटी, और अन्य तकनीकी उपकरणों के माध्यम से कैडेट्स को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। जिससे न केवल उनकी कौशल क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि वे बेहतर तरीके से राष्ट्र सेवा के लिए तैयार हो सकेंगे। अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को वैश्विक दृष्टिकोण और अनुभव प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की एनसीसी अधिकारियों के विश्वविद्यालय के प्रति आशान्वित दृष्टि कैडेट्स के विकास पथ के द्वार को सुगम बनाएगा। कैडेट्स ने आधिकारिक दल को सैल्यूट करके सम्मान व्यक्त किया। जिसमे प्रमुख रूप से अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, अनुभव, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्ण त्रिपाठी,आशुतोष सिंह, अमृत कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, अभिषेक सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, प्रियेशा उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट को सशक्त करेगा बटालियन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में पहुंचे 102 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने एनसीसी कैडेट्स के साथ संवाद किया। इस दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा मौजूद रहे। एनसीसी यूनिट्स का निरीक्षण कर कैडेट को रक्षा क्षेत्र में भविष्य के प्रति प्रोत्साहित किया। दोनों अधिकारियों ने विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई से एनसीसी के गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए वार्ता की।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर व्याख्यान आयोजित

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। साथ ही पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिये चंद्रयान-3 की सफल यात्रा को साझा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्रयान 3 का चंद्रमा पर सफल प्रक्षेपण भारत की गौरव यात्रा का स्वर्णिम दिन है।

पंचकर्म हाल में आयोजित व्याख्यान में कैडेट्स और विद्यार्थियों को स्पेस दिवस की बधाई देते हुए डॉ संदीप ने कहा कि चंद्रमा पर चंद्रयान का सफल प्रक्षेपण कर विश्व में भारत चौथा राष्ट्र बना। इसके अलावा दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडिंग होने से भारत ने एक नया इतिहास रचा है। चंद्रयान-3 के जरिये इसरो ने कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले उपग्रह, लॉन्च वाहन और अंतरिक्ष मिशन को पूरा करके अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। कैडेट दरख्शा बानो और आंचल पाठक ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पीपीटी माध्यम से विषय को रेखांकित किया। कार्यक्रम में कैडेट अनुभव और आशुतोष सिंह ने चंद्रयान की गौरव यात्रा पर अपने विचार साझा किए। पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने भारतीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं दीं। संचालन अंशिका सिंह और आभार ज्ञापन सागर जायसवाल ने किया।

चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण भारत की गौरव यात्रा का स्वर्णिम दिन -डॉ. संदीप

गोरखपुर, 23 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। साथ ही पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिये चंद्रयान-3 की सफल यात्रा को साझा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्रयान 3 का चंद्रमा पर सफल प्रक्षेपण भारत की गौरव यात्रा का स्वर्णिम दिन है।

❖ महायोगी गोरखनाथ विवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर व्याख्यान

पंचकर्म हाल में आयोजित व्याख्यान में कैडेट्स और विद्यार्थियों को स्पेस दिवस की बधाई देते हुए डॉ संदीप ने कहा कि चंद्रमा पर चंद्रयान का सफल प्रक्षेपण कर विश्व में भारत चौथा राष्ट्र बना। इसके अलावा दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडिंग होने से भारत ने एक नया इतिहास रचा है। चंद्रयान-3 के जरिये इसरो ने कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले उपग्रह, लॉन्च वाहन और अंतरिक्ष मिशन को पूरा करके अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। कैडेट दरख्शा बानो और आंचल पाठक ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पीपीटी माध्यम से विषय को रेखांकित किया। कार्यक्रम में कैडेट अनुभव और आशुतोष सिंह ने चंद्रयान की गौरव यात्रा पर अपने विचार साझा किए। पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने भारतीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं दीं। संचालन अंशिका सिंह और आभार ज्ञापन सागर जायसवाल ने किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर व्याख्यान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर जय विज्ञान, जय अनुसंधान विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। साथ ही पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिये चंद्रयान-3 की सफल यात्रा को साझा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एनसीसी अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्रयान 3 का चंद्रमा पर सफल प्रक्षेपण भारत की गौरव यात्रा का स्वर्णिम दिन है। पंचकर्म हाल में आयोजित व्याख्यान में कैडेट्स और विद्यार्थियों को स्पेस दिवस की बधाई देते हुए डा. संदीप ने कहा कि चंद्रमा पर चंद्रयान का सफल प्रक्षेपण कर विश्व में भारत चौथा राष्ट्र बना। इसके अलावा दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडिंग होने से भारत ने एक नया इतिहास रचा है। कैडेट दरख्शा बानो और आंचल पाठक ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पीपीटी माध्यम से विषय को रेखांकित किया। कैडेट अनुभव और आशुतोष सिंह ने चंद्रयान की गौरव यात्रा पर अपने विचार साझा किए। पैरामेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. रोहित श्रीवास्तव ने भारतीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं दीं। संचालन अंशिका सिंह और आभार ज्ञापन सागर जायसवाल ने किया।

चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण भारत के गौरव का स्वर्णिम दिन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर जय विज्ञान, जय अनुसंधान विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। साथ ही पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के जरिये चंद्रयान-तीन की सफल यात्रा को साझा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्रयान-तीन का चंद्रमा पर सफल प्रक्षेपण भारत की गौरव यात्रा का स्वर्णिम दिन है।

पंचकर्म हाल में आयोजित व्याख्यान में डॉ.संदीप ने कहा कि चंद्रमा पर चंद्रयान का सफल प्रक्षेपण कर विश्व में भारत चौथा राष्ट्र बना। इसके अलावा दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडिंग होने से भारत ने एक नया इतिहास रचा है।

चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण भारत की गौरव यात्रा का स्वर्णिम दिन: डॉ. संदीप

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। साथ ही पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिये चंद्रयान-3 की सफल यात्रा को साझा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्रयान 3 का चंद्रमा पर सफल प्रक्षेपण भारत की गौरव यात्रा का स्वर्णिम दिन है।

पंचकर्म हाल में आयोजित व्याख्यान में कैडेट्स और विद्यार्थियों को स्पेस दिवस की बधाई देते हुए डॉ संदीप ने कहा कि चंद्रमा पर चंद्रयान का सफल प्रक्षेपण कर विश्व में भारत चौथा राष्ट्र बना। इसके अलावा दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडिंग होने से भारत ने एक नया इतिहास रचा है। चंद्रयान-3 के जरिये इसरो ने कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले उपग्रह, लॉन्च वाहन और अंतरिक्ष मिशन को पूरा करके अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। कैडेट दरख्शा बानो और आंचल पाठक ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पीपीटी माध्यम से विषय को रेखांकित किया। कार्यक्रम में कैडेट अनुभव और आशुतोष सिंह ने चंद्रयान की गौरव यात्रा पर अपने विचार साझा किए। पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने भारतीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं दीं। संचालन अंशिका सिंह और आभार ज्ञापन सागर जायसवाल ने किया।

एनसीसी कैडेट्स भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में शनिवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर एनसीसी 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि सैन्य सेवा में जाने के लिए एनसीसी एक बेहतरीन माध्यम है। एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। भर्ती प्रक्रिया के तहत सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण की देखरेख में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की दौड़, लंबाई, तौल, सपाट, बीम के अभ्यास के अलावा रक्षा विषय से संबंधित प्रश्नों की लिखित परीक्षा विविध चरणों में हुई।

महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी कैडेट्स के चयन भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में शनिवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर एनसीसी 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि सैन्य सेवा में जाने के लिए एनसीसी एक बेहतरीन माध्यम है। एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। भर्ती प्रक्रिया के तहत सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण की देखरेख में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की दौड़, लंबाई, तौल, सपाट, बीम के अभ्यास के अलावा रक्षा विषय से संबंधित प्रश्नों की लिखित परीक्षा विविध चरणों में हुई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को एनसीसी के जरिये सेना के अलग अलग अंगों में होने वाले सेवायोजन की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बटालियन के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी कैडेट्स के चयन भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण

संवाददाता

गोरखपुर, 24 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में शनिवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर एनसीसी 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि सैन्य सेवा में जाने के लिए एनसीसी एक बेहतरीन माध्यम है। एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। भर्ती प्रक्रिया के तहत सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण की देखरेख में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की दौड़, लंबाई, तौल, सपाट, बीम के अभ्यास के अलावा रक्षा विषय से संबंधित प्रश्नों की लिखित परीक्षा विविध चरणों में हुई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को एनसीसी के जरिये सेना के अलग अलग अंगों में होने वाले सेवायोजन की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बटालियन के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी कैडेट्स के चयन भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में शनिवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर एनसीसी 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि सैन्य सेवा में जाने के लिए एनसीसी एक बेहतरीन माध्यम है। एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। भर्ती प्रक्रिया के तहत सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण की देखरेख में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की दौड़, लंबाई, तौल, सपाट, बीम के अभ्यास के अलावा रक्षा विषय से संबंधित प्रश्नों की लिखित परीक्षा विविध चरणों में हुई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को एनसीसी के जरिये सेना के अलग अलग अंगों में होने वाले सेवायोजन की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बटालियन के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महायोगी गोरखवनाथ विवि के रासेयो स्वयंसेवकों ने शिविर लगाकर ग्रामीणों को किया जागरूक

संवाददाता

गोरखपुर, 25 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के

कृषि संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की पारिजात इकाई ने रविवार को ग्रामसभा सिक्टौर में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया। इसमें स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को साइबर सुरक्षा, फाइलेरिया उन्मूलन, खरीफ फसल की तकनीकी जानकारी, स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। रासेयो शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि ग्रामसभा सिक्टौर के प्रधान प्रतिनिधि राकेश सिंह ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक ने शिविर के उद्देश्य और इसमें शामिल टीमों के बारे में जानकारी दी। शिविर का निरीक्षण रासेयो के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने किया। गांव के लोगों में शिविर को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दूसरी संस्थाओं का बनेगा रोल मॉडल

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में बोले यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थापना के महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा।

प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आत्म अवलोकन का अवसर होता है कि पिछले वर्ष हमारे लक्ष्य क्या थे, हमने कौन से संकल्प को पूरा किया और आगे हमारे लक्ष्य क्या होंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति अपनी जड़ें मजबूत करनी होंगी। संवेदनशीलता, दया, करुणा, प्रेम, शांति का संदेश लेकर विश्व कल्याण और मानव सेवा के भाव का संकल्प लेना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जिज्ञासा होनी चाहिए, सीखने की प्रवृत्ति होनी चाहिए, नए टेक्नोलॉजी के साथ क्षमता को विकसित करने का संकल्प होना चाहिए।

मुख्य अतिथि प्रो. डीपी सिंह को स्मृतिचिन्ह और पुस्तक भेंट करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव। फोटो-महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय।

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि यह विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी संकाय ने 15 लाख रुपये का अनुदान लाने का उल्लेखनीय कार्य किया है। भारत सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के प्रयास से यहां शिक्षा को और उन्नत बनाने पर मंथन किया जा रहा है। जरूरी है कि विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से स्किल डेवलपमेंट से प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त नए नवाचार के लिए अपना लक्ष्य साधे।

बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने ऐसी शिक्षा पर जोर दिया है, जिससे रोजगार की समस्या न रहे और यहां के विद्यार्थी समाज और देश की सेवा में अपना भरपूर योगदान दे सकें। जेएसएस हॉस्पिटल मैसूर के पूर्व निदेशक कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अनुशासन की आंच में तपकर शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट को सीनियर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने भी विद्यार्थियों को जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समापन समारोह की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज ने प्रदेश के शीर्ष 10 कॉलेज में अपना स्थान बनाकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। समारोह में विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आभार ज्ञापन नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा और संचालन डॉ. शशिकांत सिंह ने किया।

कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे आदि उपस्थित रहे।

ओवरऑल चैंपियन बना ऑरेंज हाउस

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कला, संस्कृति, साहित्य और खेलकूद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर ऑरेंज हाउस ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता। साथ ही ऑरेंज हाउस के बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धांत श्रीवास्तव को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रथम स्थान की ट्राफी से सम्मानित किया गया। अंकों के आधार पर रेड हाउस को दूसरा और ब्लू हाउस को तीसरा स्थान मिला।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस पर बोले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह

उच्च शिक्षा का रोल मॉडल बनेगा गोरखनाथ विवि

स्थापना दिवस

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा।

प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। यूजीसी के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि स्थापना दिवस आत्म अवलोकन का अवसर होता है। विद्यार्थियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य के प्रति जागरूक रहें।

प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद विशाल वटवृक्ष है। विश्वविद्यालय गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके कुलाधिपति के रूप में उनकी मंशा है कि यह विश्वविद्यालय देश का ही नहीं विश्व का प्रतिनिधित्व करे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जिज्ञासा होनी चाहिए, सीखने की प्रवृत्ति होनी चाहिए, नई टेक्नोलॉजी के साथ क्षमता को विकसित करने का संकल्प होना चाहिए।

बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने संबोधित किया (बाएं)। बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

- यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह बोले-स्थापना दिवस आत्म अवलोकन का अवसर
- विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज ने प्रदेश के शीर्ष 10 कॉलेज में स्थान बनाकर श्रेष्ठता सिद्ध की

ओवरऑल चैंपियन बना आरेंज हाउस

तृतीय स्थापना दिवस पर आयोजित कला, संस्कृति, साहित्य और खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर आरेंज हाउस ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता। आरेंज हाउस के बीएसएसी द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धांत श्रीवास्तव को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ट्रफी से सम्मानित किया गया। रेड हाउस को दूसरा और ब्लू हाउस को तीसरा स्थान मिला।

निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान बना रहा विवि

संबोधन

गोरखपुर। स्थापना दिवस पर पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ चिकित्सा में भी उत्कृष्ट पहचान स्थापित किया है। उच्च शिक्षा विभाग के प्रयास से यहां शिक्षा को और उन्नत बनाने पर मंथन किया जा रहा है। आज जरूरी है कि विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से स्किल डेवलपमेंट से प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त कर, नवाचार के लिए अपना लक्ष्य साधे।

समारोह में बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि विश्वविद्यालय ने ऐसी शिक्षा पर जोर दिया है, जिससे रोजगार की समस्या न रहे। जेएसएस हॉस्पिटल मैसूर के पूर्व निदेशक कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी ने कहा कि यहां का मेडिकल कॉलेज पूरे देश में नजीर बनने की ओर अग्रसर है। बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट को सीनियर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने भी विद्यार्थियों को जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल याज्ञपेयी ने कहा कि अल्पकाल में विश्वविद्यालय ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज ने प्रदेश के शीर्ष 10 कॉलेज में अपना स्थान बनाकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

समारोह में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंटकर उनका अभिनंदन किया। विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। स्वागत संबोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा और संचालन डॉ. शशिकांत सिंह ने किया। समारोह में एनसीसी कैडेट्स ने अतिथियों को गार्ड आफ ऑनर दिया। कार्यक्रम में डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ रोहित श्रीवास्तव, डॉ विमल कुमार दुबे उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि के स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह को कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी का तीसरा स्थापना दिवस समारोह

शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर बढ़ रही गोरखनाथ यूनिवर्सिटी

स्टूडेंट्स की जिम्मेदारी वे संकल्प और लक्ष्य के प्रति सजग रहें

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (28 august): यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है. स्थापना के महज तीन साल में इस यूनिवर्सिटी ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के प्रावधानों के अनुरूप रोजगारपरक कोर्सेज, इनोवेशन और रिसर्च की मिसाल कायम की है. जल्द ही यह यूनिवर्सिटी अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा. प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी के तीसरे स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. स्टूडेंट्स का मार्गदर्शन करते हुए यूजीसी के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि स्थापना दिवस बीते सालों की स्मृतियों पर गौरवान्वित होने का अवसर देता है.

सीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट

प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है. इसके कुलाधिपति के रूप में उनकी मंशा है कि यह यूनिवर्सिटी देश का नहीं बल्कि विश्व का प्रतिनिधित्व करे. कुलाधिपति के स्वप्न को पूरा करने के लिए स्टूडेंट्स को शिक्षा के प्रति अपनी जड़ें मजबूत करनी होंगी.

विशिष्ट पहचान स्थापित

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी अपने तीसरे स्थापना वर्ष में निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है. इस यूनिवर्सिटी ने शिक्षा के साथ चिकित्सा में भी उत्कृष्ट पहचान स्थापित की है. यह विश्वस्तरीय यूनिवर्सिटी बनने की ओर अग्रसर है. उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी में संचालित फार्मेसी संकाय ने 15 लाख रुपये का अनुदान लाने का उल्लेखनीय कार्य किया है. भारत सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के प्रयास से यहां शिक्षा को और उन्नत बनाने पर मंथन किया जा रहा है. स्टूडेंट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से स्किल डेवलपमेंट से प्रैक्टिकल नॉलेज प्राप्त कर रहे हैं.

ऑरेंज हाउस चैंपियन

महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी के तीसरे स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कला, संस्कृति, साहित्य और खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर ऑरेंज हाउस ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता. ऑरेंज हाउस के बीएसएसी द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धांत श्रीवास्तव को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ट्रफी दिया गया. अंकों के आधार पर रेड हाउस को दूसरा और ब्लू हाउस को तीसरा स्थान मिला.

राष्ट्रीय खेल दिवस पर एनसीसी कैडेट्स ने दिया फिटनेस का संदेश'

संवाददाता

गोरखपुर, । राष्ट्रीय खेल दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमसीसी 102 यूपी बटालियन की तरफ से दौड़ व अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें शामिल कैडेट्स ने सभी लोगों को फिटनेस का संदेश दिया। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में दौड़, टग ऑफ वॉर, ऊंची कूद, लंबी कूद और कबड्डी प्रतियोगिता में कैडेट्स के साथ अन्य विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ. श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय खेल दिवस की चर्चा करते हुए हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आयोजन में प्रमुख रूप से डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास यादव, धनंजय पांडेय, रवि यादव, शारदानंद पांडेय अंडर आफिसर मोती लाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

एनसीसी कैडेट ने दिया स्वस्थ रहने का संदेश

गोरखपुर, निज संवाददाता। राष्ट्रीय खेल दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी 102 यूपी बटालियन की तरफ से दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें शामिल कैडेट्स ने सभी लोगों को फिटनेस का संदेश दिया।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में दौड़, टग ऑफ वॉर, ऊंची कूद, लंबी कूद और कबड्डी प्रतियोगिता में कैडेट्स के साथ अन्य विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ. श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय खेल दिवस की चर्चा करते हुए हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आयोजन में प्रमुख रूप से डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास यादव, धनंजय पांडेय, रवि आदि मौजूद रहे।

बैडमिंटन : सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबला आज

गोरखपुर। दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया। प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि इस दिन राष्ट्रपति भवन में खेल पुरस्कारों का वितरण होता है। क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. अवधेश शुक्ल ने बताया कि खेल दिवस पर आयोजित ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज स्मृति बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल बालिका वर्ग में 40 और बालक वर्ग में 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला शुक्रवार को होगा। उसके बाद विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

एनसीसी कैडेट्स ने दिया फिटनेस का संदेश

गोरखपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय खेल दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमसीसी 102 यूपी बटालियन की तरफ से दौड़ व अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें शामिल कैडेट्स ने सभी लोगों को फिटनेस का संदेश दिया। एनसीसी अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में दौड़, टग आफ वर, ऊंची कूद, लंबी कूद और कबड्डी प्रतियोगिता में कैडेट्स के साथ अन्य छात्रों ने भी प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डा. श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय खेल दिवस की चर्चा करते हुए हाकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आयोजन में प्रमुख रूप से डा. कुलदीप सिंह, डा. विकास यादव, धनंजय पाण्डेय, रवि यादव, शारदानंद पाण्डेय, अंडर आफिसर मोती लाल एवं सार्जेंट खुशी गुप्ता आदि की प्रमुख भूमिका रही।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in